ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 07-08-2026

गुमला(झारखण्ड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-08-07 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-08-08	2026-08-09	2026-08-10	2026-08-11	2026-08-12
वर्षा (मिमी)	18.0	18.0	18.0	15.0	15.0
अधिकतम तापमान(से.)	29.0	29.0	30.0	30.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	22.0	23.0	23.0	24.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	95	95	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	77	70	70	69
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	1	5	8	3
पवन दिशा (डिग्री)	351	34	228	254	214
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	7	7	7	7
चेतावनी	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले तीन दिनों में, कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला, कांके, रांची में 141.0 मि.मी. बारिश दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 28.2-33.7°C और न्यूनतम तापमान 19.6-22.4°C के बीच रहा। सापेक्ष आर्द्रता 70-91% के बीच रही। हवा की गति 2.2-4.6 किमी/घंटा रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों में हल्की से मध्यम बारिश होने और आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 29.0-30.0°°C और न्यूनतम तापमान 22.0-24.0°C के बीच रह सकता है। सापेक्ष आर्द्रता 69-95% के बीच रहेगी और हवा की गति 1-8 किमी प्रति घंटा के साथ हल्की से मध्यम रहेगी।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

बिजली कड़कने के साथ आंधी-तूफान और तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

तेज़ हवाओं के कारण मक्का और अरहर जैसी खड़ी फ़सलों के गिरने और सब्ज़ी वाली फ़सलों के फल झड़ने की आशंका है।

सामान्य सलाहकार:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहने और बारिश होने की संभावना को देखते हुए, किसान भाई खेत में डोभा के निर्माण के माध्यम से यथास्थान संरक्षण और जल संचयन के माध्यम से वर्षा जल का प्रबंधन (निचले सिरे पर भूमि क्षेत्र के 1/10 वें भाग पर) करें। जो सूखे दिनों मे फसलों की जल आपूर्ति को पूरा करने मे मदद कर सकते हैं । जिस किसान के पास ऊपरी खेत अभी भी परती रह गया है, वे कुलथी, उरद, मूंग या विभिन्न सब्जियों की खेती के लिए तैयारी करें। किसानों को आगामी 5 दिनों में सिंचाई, अंतर-कृषि संचालन और खड़ी फसलों में पौध संरक्षण उपायों और उर्वरकों के प्रयोग को स्थगित कर देना चाहिए। कटी गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। बारिश से बचाने के लिए सब्जियों के पौधों को पॉलिथीन से ढक दें। बारिश और बादल की स्थिति से खड़ी फसलों में रोग का प्रकोप बढ़ सकता है, इसलिए किसानों को इसकी निरंतर निगरानी रखनी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

मडुआ की फसल जो 20 से 25 दिन पुरानी है उनमे निकाई - गुड़ाई करें, इसके पश्चात 22 किलोग्राम प्रति एकदम यूरिया का भुरकाव करे।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मक्का	घुटना अवस्था में फसल की सक्रिय वृद्धि होती है, इसलिए खेत में पर्याप्त नमी बनाए रखें तथा जलभराव से बचाएं। नत्रजन की शेष मात्रा (26 किलोग्राम प्रति एकड़) का प्रयोग टॉप ड्रेसिंग के रूप में करें। खेत को खरपतवार मुक्त रखें तथा तना छेदक/फॉल आर्मीवर्म के प्रकोप की नियमित निगरानी करें। पत्तियों के बीच में कीट की सूंडी एवं उसके मल/क्षति के लक्षण दिखाई देने पर उचित नियंत्रण उपाय अपनाएं।
चावल	रुक-रुक कर शुष्क और गीले मौसम की स्थिति, नर्सरी में जीवाणु पत्ती झुलसा रोग और परणछद आंगमरी जैसे बीमारियों के लिए अनुकूल है। रोग को फैलने से रोकने के लिए हेक्साकोनाजोल + प्लांटोमाइसिन 1.0 ग्राम/लीटर के साथ पत्तियों पर छिड़काव करें। यदि नर्सरी में ब्लास्ट की समस्या दिखाई दे तो टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% WG @ 0.4 ग्राम या आइसोप्रोथियोलेन 40EC @ 1.5 मिली प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। 7-10 दिन के अंतराल पर छिड़काव को दोहराएँ।
चावल	तना छेदक कीट के प्रकोप से बचाव हेतु खेत में डेड हार्ट एवं सफेद बालियों को निकालकर नष्ट करें। प्रकोप अधिक होने पर क्लोरान्ट्रानिलिप्रोल 18.5% SC @ 0.3 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। अनावश्यक नत्रजन (यूरिया) के प्रयोग से बचें तथा कीटनाशी का छिड़काव वर्षा रहित मौसम में करें।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	समय पर बोई गई फसल वानस्पतिक अवस्था में है, ढलान की तरफ़ नालियाँ बनाकर अतिरिक्त पानी निकालने का इंतज़ाम करें। जो किसान अभी भी बुआई का इंतजार कर रहे हैं उन्हें ज्वार/ चावल/मक्का/ मूंगफली/सोयाबीन/उर्दबीन/मूंग और भिंडी के साथ अंतरफसल अपनाने का सुझाव है। अंतरफसल के मामले में अरहर + ज्वार पंक्ति अनुपात 1:1, अरहर + मक्का पंक्ति अनुपात 1:1, अरहर + मूंगफली पंक्ति अनुपात 1:3, अरहर + सोयाबीन पंक्ति अनुपात 1:2, अरहर + उर्द/मूंग पंक्ति अनुपात 1:2 और अरहर + भिंडी पंक्ति अनुपात 1:1 बनाए रखा जाना चाहिए और तदनुसार उर्वरक दें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
पोस्टेड ग्रेड (परवल)	परवल में फल और बेल सड़न, पत्ती झुलसन देखी जा सकती है। खेत से क्षतिग्रस्त फल और बेलों को हटा दें और उन्हें खेत में या उसके आसपास न रखें। धूप वाले दिन में कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50% WP @ 3 ग्राम/लीटर पानी और मेटालैक्सिल 8% + मैन्कोज़ेब 64% @ 2.5 ग्राम/लीटर पानी का बारी-बारी से छिड़काव करें।
करेला	करेले की फसल में फल मक्खी के प्रकोप देखे जा रहे है, जिससे करेले के फल पिले दिखने लगते है तथा फल जल्दी नरम हो जाते हैं। इसके बचाव हेतु किसान भाई अपने खेतों में 20 - 25 फेरोमोने ट्रैप प्रति एकड़ लगाएं।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
रतालू	ऊपरी जमीन पर किसान भाई कंद फसलें जैसे ओल तथा मसाले जैसे हल्दी की बुवाई करें। बुवाई नाली एवं मेड़ विधि से करें। जो किसान भाई ये फसलें लगा चुके है वे आने वाले दिनों मे वर्षा की संभावना को देखते हुए जल निकासी की उचित सुविधा करे, जल निकासी के पश्चात खरपतवार का नियंत्रण कर मिट्टी चढ़ा दें ।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	वर्षा एवं उमस के मौसम में पशुओं के बाड़े की साफ-सफाई एवं जल निकासी की उचित व्यवस्था रखें। पशुओं को सूखा एवं हवादार स्थान पर रखें तथा स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएं। मच्छर, मक्खी एवं परजीवी नियंत्रण के लिए नियमित रूप से पशुओं एवं बाड़े की निगरानी करें। पशुओं को गलाघोंटू, लंगड़ा बुखार एवं अन्य प्रचलित संक्रामक रोगों के विरुद्ध समय पर टीकाकरण कराएं। बीमार पशु को स्वस्थ पशुओं से अलग रखें और लक्षण दिखाई देने पर पशु चिकित्सक से संपर्क करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	यह समय मिर्च, बैंगन व फूलगोभी (सितम्बर में तैयार होने वाली) की पौधशाला बनाने के लिए उपयुक्त है। किसान पौधशाला में कीट अवरोधी नाईलोन की जाली का प्रयोग करें, ताकि रोग फैलाने वाले कीटों से फसल को बचा सकें। पौधशाला को तेज धूप से बचाने के लिए छायादार नेट द्वारा 6.5 फीट की ऊँचाई पर ढक सकते है। बीजों को केप्टान (2.0 ग्राम/ कि.ग्रा बीज) के उपचार के बाद पौधशाला में बुवाई करें।
सामान्य सलाह	बरसात के दिनों मे किसि भी दावा का छिड़काव साफ मौसम देख कर ही करें तथा दावा के घोल मे संडोवित या टीपोल (1 मिलिलीटर प्रति 2 लिटर पानी) अवश्य मिलाएँ। इनके आभाव मे दावा के घोल को साबुन के पानी मे तैयार करें। इससे दावा को घोल चिपचिपा हो जाता है तथा हल्की वर्षा के बावजूद दावा पूर्णतया पौधे से धुलता नहीं है।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

तूफ़ान और बिजली कड़कने के दौरान पेड़ों के नीचे शरण न लें, खुले मैदानों या जलाशयों के पास न रहें, बिजली या धातु की चीज़ों को न छुएं, तार वाले बिजली के उपकरणों का इस्तेमाल न करें और ज़मीन पर सपाट न लेटें।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

सुरक्षित जगह पर शरण लें; पेड़ों, पानी, पहाड़ियों, धातु की चीज़ों और बिजली की लाइनों से दूर रहें। घर के अंदर रहें और हो सके तो यात्रा न करें। अगर किसान खेत में हैं और उन्हें कोई शरण नहीं मिल रही है, तो उस इलाके की सबसे ऊंची चीज़ से दूर रहें।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details